

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01994

दिसम्बर, 2016

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

2×10=20

(क) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसों बरस
सहता रहा हूँ
अपनी त्वचा पर
सुई की चुभन जैसे,
उसका स्वाद एक बार चखकर देखो
हिल जाएगा पाँव तले ज़मीन का टुकड़ा ।

(ख) सुदीप जब भी किसी को गिड़गिड़ाते देखता है तो उसे
अपने पिताजी की छवि याद आने लगती है, ऐसे में
उसका पोर-पोर चटकने लगता है । जैसे कोई धीरे-धीरे
उसके जिस्म पर आरी चला रहा हो ।

(ग) और हम खाना खाने से कहाँ इनकार करते हैं ? शर्त यही है कि खाने के बाद हम अपना पत्तल नहीं उठाएँगे । नेउत कर ले जाते हैं तो सचमुच का सम्मान दीजिए ।

(घ) उस रोज़ माँ की आँखों में दुर्गा उतर आई थी । माँ का वैसा रूप मैंने पहली बार देखा था । माँ ने टोकरा वहीं बिखेर दिया था । सुखदेव सिंह से कहा था, “इसे उठाके अपने घर में धर ले । कल तड़के बारातियों को नाशते में खिला देना ।”

2. दलित साहित्य आंदोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए । 10
3. किन्हीं दो दलित स्त्री आत्मकथाओं का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । 10
4. ‘वैतरणी’ कहानी के आधार पर दलित समाज की पीड़ा और उसके संघर्ष को रेखांकित कीजिए । 10
5. ‘जूठन’ की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए । 10
6. ‘सुमंगली’ कहानी के आधार पर दलित मज़दूर स्त्री के संघर्ष पर प्रकाश डालिए । 10
7. ‘घृणा तुम्हें मार सकती है’ कविता में अभिव्यक्त दलित चेतना को रेखांकित कीजिए । 10